एक नजर में

भगवान को चढ़ाया निर्वाण लाडू

कसरावद, निप्र। बुधवार को श्री श्वेतांबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। नगर स्थित मंदिर में मुनि सूरत स्वामी भगवान को निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इससे पहले लाडू चढ़ाने की बोली लगाई गई। निर्वाण लाडू चढ़ने की बोली निर्मल,प्रदीप ,मनीष लुणिया परिवार को निर्वाण लाडू चढाने का सौभाग्य मिला। बता दे कि प्रतिवर्ष यह आयोजन दिवाली के बाद पड़वा को होता है। इसके बाद सामूहिक आरती की गई। इस मौके पर श्री संघ अध्यक्ष तिलोकचंद कवाड़, देव कुमार मांडोत,संजय रायली, मयंक लूनिया, सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

जैन पोरवाड़ सामाजिक मंच द्वारा दीपावली पर रंगोली व लड्डू सजाओ प्रतियोगिता

सनावद, निप्र। अंतर्राष्ट्रीय दिगंबर जैन पोरवाड़ सामाजिक मंच द्वारा समाज उत्थान के लिए समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहा है। मंच के मीडिया प्रभारी आशीष जैन लोनारा व जोन मीडिया प्रभारी सन्मति काका ने बताया कि समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए महिला प्रकोष्ठ द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर रंगोली एवं लड्डू सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष नीना जैन, सचिव ऋतु जैन व सांस्कृतिक सचिव आयुषी जैन ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागी अपने घर पर बनाई गई रंगोली का वीडियो व फोटो मंच को भेजेंगे। रंगोली का विषय प्राकृतिक चित्र व दीपावली फूल डिजाइन होगा। इसके अलावा, महावीर स्वामी निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में लड्डू सजाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसमें सजाए गए लड्डू का फोटो व वीडियो भेजना होगा। दोनों प्रतियोगिताओं की प्रस्तुतियाँ 23 अक्टूबर तक स्वीकार की जाएंगी, जिनके आधार पर विजेताओं का चयन होगा। मंच के अध्यक्ष समीर जैन व सचिव सन्मति जैन ने समाजजनों से अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की है। यह आयोजन सांस्कृतिक एकता व रचनात्मकता को बढ़ावा देने का एक अनूठा प्रयास है।

दीपोत्सव का पर्व हर्षोउल्लास से मनाया

बिस्टान, निप्र। नगर सहित आसपास के क्षेत्र में दीपोत्सव का पर्व हर्षोउल्लास एवं उत्साह पूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। दीपोत्सव की शुरुआत धनतेरस के पावन अवसर से हुई। जहां ग्रामीणों ने शुभ मुहूर्त में अपने घरों में दीप प्रज्वलित किया। और भगवान कुबेर देवता तथा माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की। दीपों की रोशनी से घर आंगन जगमगा उठे और क्षेत्र में आनंद का माहौल बना रहा। सोमवार को व्यापारियों ने लक्ष्मी पूजन कर दुकानों को सजाते हुए घर आंगन में रंगोली बनाई गई। बच्चों ने खूब आतीशबाजी का आनंद लिया। मंदिरों एवं घरों में विशेष पूजा अर्चना की गई। तथा माता लक्ष्मी से सुख समृद्धि की कामना की गई। अमावस्या दो दिन होने से गोवर्धन पूजा का आयोजन बुधवार को किया गया।

सनावद में जर्जर गली से परेशान कॉलोनी वासियों की गुहार, सीमेंटीकरण की मांग

सनावद, निप्र। मध्यप्रदेश के सनावद शहर में जवाहर मार्ग के निकट एक जर्जर गली ने स्थानीय निवासियों का जीवन नरक बना दिया है। वर्षों से टूटी-फूटी नाली और गड्ढों से भरी यह गली अब खतरनाक साबित हो रही है, खासकर क्योंकि इसी गली में एक आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है। बच्चों और महिलाओं के लिए खतरा बढ़ता जा रहा है, लेकिन नगरपालिका प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होने से कॉलोनी निवासी निराश हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि गली की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि बारिश के मौसम में तो पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छरों का प्रजनन बढ़ जाता है। नाली टूटकर गड्ढों का रूप ले चुकी है, और रास्ते पर सीमेंटिकरण का कार्य वर्षों से लंबित पड़ा है। हमने कई बार नगरपालिका को सूचना दी, लेकिन पिछले कई वर्षों से कोई सुधार नहीं हुआ। आंगनवाड़ी केंद्र तक पहुंचना मुश्किल हो गया है, बच्चों की सुरक्षा को खतरा है, एक निवासी जीतेन्द्र छल्लोत्रा ने बताया। इस गली में रहने वाले अन्य प्रभावितों में सीमा छल्लोत्रा, सुधीर कनाड़े, दुर्गा शंकर पाटीदार, नीलेश पुनासिया, रीना पुनासिया और अशोक वर्मा प्रमुख हैं। उन्होंने सामूहिक रूप से नगरपालिका अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें नाली की मरम्मत, गली का सीमेंटिकरण और नियमित सफाई की मांग की गई है। यह समस्या सिर्फ हमारी नहीं, पूरे मोहल्ले की है। बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है, फिर भी प्रशासन सो रहा है, सुधीर कनाड़े ने शिकायत की।

मना अन्नकुट महोत्सव : बांके बिहारी को लगे लगे छप्पन भोग, निकली शोभायात्रा

खरगोन, निप्र। शहर की ग्रीन गोल्ड कॉलोनी स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में 56 भोग एवं श्री अन्नकूट महोत्सव भक्ति भाव से आयोजित किया गया। यहां मंदिर का फूलों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। रंग .बिरंगी विद्युत सज्जा आकर्षण का केंद्र रही। शाम 7 बजे मंदिर के पट दर्शनार्थ खोले गए। मंदिर संस्थापक ने बताया कि कार्तिक मास के दौरान रोजाना सुबह काकड़ आरती की जा रही है। पड़वा पर अन्नकूट महोत्सव के निमित्त श्री बांके बिहारी और किशोरीजी का मनोहारी श्रृंगार किया गया। शाम को श्याम बड़ोले पुर्णेश के निवास से भव्य शोभायात्रा निकाली गईए जिसमें श्री बांके बिहारीजी को सुसज्जित पालकी में विराजित कर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा को मंदिर पहुंचकर विराम दिया गया। इसके बाद छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाकर महाआरती की गई। इसके बाद भंडारा प्रसादी का आयोजन भी हुआए जिसमें बड़ी संख्या में कॉलोनी सहित नगरवासियों ने शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की। आयोजन के दौरान भजन संध्या का आयोजन भी किया गयाए जिसमें गायकों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को श्रीकृष्ण भक्ति

आंगन में गोबर से बनाया गोवर्धन पर्वत

माना प्रकृति और पशुओं का आभार, पड़वा पर पूजे गए पशुधन, आतिशबाजी के बाद चला बधाईयों का दौर

खरगोन, निप्र। पांच दिवसीय दीपोत्सव इस वर्ष तिथियों के घट. बढ़ के चलते 6 दिवसीय मनाया जा रहा है। पांचवे दिन याने बुधवार को शहर सहित अंचल में पड़वा पर्व आस्था के साथ मनाया गया। पशुपालको ने अपने पशुधन का श्रृंगार कर पूजन किया। वहीं महिलाओं ने आंगन में गोबर के गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर परंपरानुसार पूजन किया गया। इसके साथ ही गाय का पूजन कर उन्हें अन्न एवं मिष्ठान भी खिलाए गए। मान्यता अनुसार इस दिन गौसेवा का विशेष महत्व है। क्योंकि श्रीकृष्ण ने गोपालन कर उनकी सेवा की थी। इस दौरान पशु पालकों ने पशुओं को श्रंगारित कर भ्रमण भी कराया इसे पशु दौड़ाने की परम्परा कहा जाता है। शहर के संजय नगरए, माली मोहल्ला, इंदिरा नगर, जैतापुर, तवड़ी मोहल्ला आदि क्षेत्रों में जहां कृषक ओर पशु पालक परिवार निवास करते है, उन क्षेत्रों में पशुओं के प्रति आस्था और सम्मान नजर आया। महिलाएं ने गोबर से बने गोवर्धन की आरती उतारकर घरों के मुख्य द्वार पर दीप जलाए गए।

एक दूसरे पर छोड़े पटाखे: गोवर्धन पूजा के बाद श्रंगारित पशुओ को घर पर पूजन के बाद बस्ती में छोड़ दिया गया। जहां रास्ते भर लोगो ने पशुओ के पैरों में आतिशबाजी की। यह आतिशबाजी पशुओ के रास्ते से गुजरने के बाद मोहल्ले के युवाओं के बीच पटाखा युद्ध में बदल गई। खरगोन के टवड़ी मोहल्ला क्षेत्र में दीपावली की पड़वा पर गोवर्धन पूजा बाद जमकर आतिशबाजी हुई। यहां परंपरागत एक दूसरे पर पटाखे छोड़कर परंपरा का निर्वहन किया गया। जमकर आतिशबाजी का दौर चला जिसमें मुख्य मार्ग पर युवाओं के अलग- अलग दलों ने आमने- सामने होकर जमकर एक दूसरे पर पटाखे छोड़कर आतिशबाजी का आनंद लिया। इस आतिशबाजी की विशेषता है कि दोनों और से बड़ी संख्या में आतिशबाजी होने के बाद भी किसी को कोई चोंट नही आती है। यह परंपरा वर्षों से निभाई जा रही है। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया। टवड़ी क्षेत्र में भारी पुलिस बल के साथ ही फायर फायटरों की तैनाती भी की गई थी।

गोवर्धन नाथ की पूजा कर बुजुर्गो का लिया आशीर्वाद

गोगावा, निप्र। त्योहारों की तिथियों के उलटफेर के कारण दीपावली पर्व के बाद आने वाले गोवर्धन पर्व को लेकर भी क्षेत्र में असमंजस बरकरार था कई जगहों पर मंगलवार गौवर्धन पर्व मनाया गया कई जगह बुधवार को पर्व मनाया गया उसी के चलते गोगावा क्षेत्र में भी पड़वा पर्व का त्यौहार बुधवार को मनाया गया यहा घर के आंगन में गोबर से बने भगवान गोवर्धन नाथ की महिला पुरुषो व बच्चो ने पूजा अर्चना कर भगवान कृष्ण की आरती कर पर्व को सादगी से मनाया वही बड़ो के पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त कर दीपावली की शुभकामनाएं भी दी ।उल्लेखनीय है की हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आसपास क्षेत्र के किसान बंधु बेलो को सजा धजा कर घर के आंगन में गोबर से बने भगवान गोवर्धन नाथ के सामने फटाखे फोड़कर छकड़ो में जोतकर मुख्यालय पर दौड़ प्रदर्शन करवाने के लिए लाए करीब एक दर्जन सजी धजी आकर्षक बेल जोड़ियों का ग्राम के प्रबुद्ध नागरिको ने सम्मान कर पुष्प वर्षा की उधर मुख्यालय पर बनी गो शाला में पहुचकर गो माता की भी पूजा की गई इस दौरान सेकडो युवाओं ने फटाखे फोड़कर दीपावली की खुशिया मनाई।

लोगों ने गोवर्धन पूजा के बाद परम्परागत आतिशबाजी की

खरगोन के टवड़ी मोहल्ला क्षेत्र में दीपावली की पड़वा पर गोवर्धन पूजा के बाद परम्परागत आतिशबाजी की गई। इस दौरान स्थानीय लोगों ने एक-दूसरे पर पटाखे छोड़कर अपनी सदियों पुरानी परंपरा का निर्वहन किया। सुबह रघुवंशी, पाल, दांगी, कहार और प्रजापत समाज के लोगों ने अपनी-अपनी गलियों से आतिशबाजी में हिस्सा लिया। यह परंपरा खुशी जताने और शक्ति प्रदर्शन के रूप में निभाई जाती है। आतिशबाजी से जुड़े जोखिम को देखते हुए, नगर पालिका ने फायर फाइटर तैनात किए थे। कोतवाली थाना प्रभारी बीएल मंडलोई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने भी पूरे कार्यक्रम की निगरानी की। स्थानीय निवासियों के अनुसार, टवड़ी क्षेत्र में यह परंपरा 150 से अधिक वर्षों से चली आ रही है। गोवर्धन पूजा और पशुधन दौड़ के बाद, उत्साह में लोग एक-दूसरे पर सुरक्षित पटाखे छोड़ते हैं। प्रतिभागी टाट के थैले की आड़ लेकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। अभी तक कोई गंभीर हादसा दर्ज नहीं किया गया है।

उल्टी दस्त से पीड़ितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

बिस्टान नि प्र। बिस्टान समीप नगर बन्हेर यहां उल्टी दस्त से ग्रसित चार व्यक्तियों में से एक व्यक्ति गौरी शंकर उर्फ गब्बर (48वर्ष) पिता तोताराम भालसे की मंगलवार को मौत हो जाने से गांव मे शोक छा गया है। सूचना मिलने पर एसडीम वीरेंद्र कटारिया और सीएमएचओ डॉक्टर दौलत सिंह चौहान द्वारा गांव का दौरा किया गया। अधिकारियों द्वारा मृतक गौरी शंकर के घर पहुंच कर परिजनों से मिलकर जानकारी ली गई। वही सीएमएचओ द्वारा मृतक के पुत्र राहुल भालसे (22 वर्ष) जो की उल्टी दस्त से पीड़ित है,का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उसकी हालत ठीक बताई गई।दो पीड़ितो का खरगोन जिला अस्पताल मैं उपचार चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग और पीएचई विभाग द्वारा मृतक के घर और पड़ोसी दिलीप भालसे के घर से तथा गांव के पेयजल स्तोत्र कुंए के पानी के सैंपल लिए गए है। डॉ धीरेंद्र सोनी ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पानी की गुणवत्ता के बारे में कुछ कहा जा सकता है। राहुल द्वारा पूछने पर बताया की सोमवार को दोपहर में उसके पिता को अचानक पेट दर्द के साथ उल्टी दस्त की शिकायत हुई थी। आनन फानन में खरगोन में निजी अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती किया गया था। रात में तकलीफ बढ़ती देख अच्छे उपचार हेतु इंदौर ले जाते समय रास्ते मे मौत हो गई। उधर मंगलवार तड़के 5बजे राहुल को भी उल्टी दस्त शुरू हो गए। उसी समय समीप बिस्टान में निजी क्लिनिक पर उपचार कराया गया। मंगलवार सुबह से ही स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की टीम हरकत में आई और गली मोहल्ले में घर-घर जाकर रह वासियों से स्वास्थ्य के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान राजू(25बर्ष) पिता मुकेश भालसे को दस्त की शिकायत होने पर तत्काल एंबुलेंस से उपचार हेतु जिला अस्पताल रेफर किया गया। सीएमएचओ डॉक्टर दौलत सिह चौहान ने बताया कि गांव मे उल्टी दस्त जैसी गंभीर समस्या नहीं पाई गई है। स्थिति पूरी तरह सामान्य है। हमारे स्वास्थ्य विभाग की टीम कार्य कर रही है।

घर-घर की गई मां लक्ष्मी की पूजा

बड़वाह, निप्र। दीपों का पर्व दीपावली मंगलवार सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शाम ढलते ही दीपकों की कतार से चहुंओर उजाला फैल गया। शुभ मुहूर्त में घर-घर श्री गणेश-महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर वैभव और समृद्धि का आशीर्वाद मांगा गया। मां लक्ष्मी के स्वागत में घरों के द्वार पर आकर्षक रंगोली सजाई गई। बच्चे व बड़े नए कपड़े पहनकर उत्साह के साथ दीपावली का पावन पर्व मनाया। महालक्ष्मी के स्वागत के लिए घरों को प्रकाश से सजाया गया था।दीपावली के पावन पर्व को लेकर अलग मान्यताएं हैं, लेकिन इस पर्व पर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा विधि विधान से की जाती है। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम 14 वर्ष का वनवास काटने के बाद दीपावली के दिन अयोध्या लौट कर आए थे, उनके स्वागत में दिवाली मनाई गई थी। वहीं भागवत और विष्णुधर्मोत्तर पुराण के मुताबिक समुद्र मंथन से कार्तिक महीने की अमावस्या पर लक्ष्मी जी प्रकट हुई थीं। वहीं वाल्मीकि रामायण में लिखा है कि इस दिन भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी का विवाह हुआ था। इसलिए इस दिन लक्ष्मी पूजा की परंपरा है। मां लक्ष्मी व गणेश की पूजा के साथ ही लोगों द्वारा वाहनों की भी विधि विधान से पूजा की गई। वाहन को भी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है, इसलिए पूजा की परंपरा है।

जमकर हुई आतिशबाजी: दीपावली के पर्व पर आतिशबाजी करने का बच्चों को बेसब्री से इंतजार रहता है। मां लक्ष्मी की पूजा के बाद बच्चों ने खूब आतिशबाजी की, बड़ों ने भी उनके साथ आतिशबाजी का लुत्फ उठाया

वाहनों की हुई पूजा: दीपावली के पावन पर्व पर घरों व प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी व गणेश की पूजा के साथ ही लोगों द्वारा वाहनों की भी विधि विधान से पूजा की गई। वाहन को भी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है, इसलिए दीपावली पर वाहनों के भी पूजा की परंपरा चली आ रही है।

नगर के विभिन्न स्थानों पर किया पूजन

बड़वाह नर्मदा तट स्थित श्री सुंदरधाम आश्रम व आनंदेश्वर महादेव मंदिर सहित नगर के कई घर परिवारों ने बुधवार को धूमधाम पूर्वक गोवर्धन पूजन कर उत्सव मनाया गया। दीपोत्सव पर्व के बाद कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा पर नर्मदा तट स्थित श्री सुंदरधाम आश्रम मे गादीपति महंत श्री बालकदास जी महाराज के सान्निध्य में गौशाला के गेट पर गाय के गोबर से गोवर्धन नाथ की आकृति बना कर स ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गोवर्धनजी का पूजन किया गया। इसके पश्चात परिक्रमा की गई। आरती कर प्रसादी वितरित की गई। उसके बाद गोशाला मे गाय माता का पूजन किया गया। गोशाला से गोवंश को छोड़कर गोबर के बने गोवर्धन के ऊपर से निकाला गया। इसी प्रकार नगर के आनंदेश्वर महादेव मंदिर मे पंडित चंद्रप्रकाश शास्त्री के सान्निध्य मे गाय के गोबर से गोवर्धन जी बनाकर 56 भोग लगाए गए।

जगह जगह गोवर्धन पूजा हुई

इसी प्रकार नगर के जाट मोहल्ला, गवली मोहल्ला, गणगौर घाट, सुराना नगर, पैलेडियन हाउस सहित कई जगहों पर गाय के गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाकर विधि विधान से गोवर्धन पूजन कर परिवार मे सुख समृद्धि खुशहाली की कामना की गई। गोवर्धन पूजा का संबंध द्वापर युग से है। यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित है। प्रकृति और मानव के बीच संबंध का पर्व है गोवर्धन पूजा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार द्वापर युग में इंद्र ने कुपित होकर जब मूसलाधार बारिश की तो श्री कृष्ण ने गोकुलवासियों व गायों की रक्षार्थ और इंद्र का घमंड तोड़ने के लिए गोवर्धन पर्वत को छोटी अंगुली पर उठा लिया था।

एक नजर में — शिक्षक-विद्यार्थी मिलकर सजाते हैं विद्यालय, 10 वर्षों से जारी है यह परंपरा

दीपावली पर जगमग हुआ बासवा का शासकीय विद्यालय

बिस्टान निप्र। बासवा शासकीय हाई स्कूल बासवा में विगत दस वर्षों से दीपावली पर्व का उत्सव अनोखे ढंग से मनाया जा रहा है। विद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मिलकर न केवल दीपावली मनाते हैं, बल्कि पूरे विद्यालय परिसर को रंगोली और दीपों से सुसज्जित करते हैं। इस वर्ष भी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षक राजेंद्र जैन महावीर, दिनेश राठौर, लोकेंद्र सिंह पंवार, लीलाधर सिंह गौड़, रणजीत सिंह गौड़ एवं विद्यार्थियों ने मिलकर विद्यालय को भव्य रूप से सजाया। सायंकाल दीपों की रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा। इस अवसर पर डॉ. आस्था जैन और श्रद्धा जैन ने भी उपस्थित रहकर विद्यार्थियों के साथ उल्लासपूर्वक दीपावली का पर्व मनाया।

विद्यालय सूना नहीं रहना चाहिए — राजेंद्र जैन महावीर: दीपावली पर विद्यालय में प्रकाश पर्व मनाने की प्रेरणा देने वाले नवाचारी एवं समाजसेवी शिक्षक राजेंद्र जैन महावीर बताते हैं, जो विद्यालय सभी को ज्ञान का प्रकाश देता है और अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करता है, वहां दीपावली के दिन अंधकार रहना उचित नहीं। जहां से सरस्वती की कृपा से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है, वह स्थान सदैव प्रकाशमान रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि यह परंपरा वर्ष 2015 में उनके साथियों बालक राम रावत और दिनेश राठौर के सहयोग से प्रारंभ हुई। पहले वर्ष कुछ ही विद्यार्थी जुड़े, लेकिन अब विद्यार्थियों में विद्यालय की दीपावली के प्रति विशेष उत्साह रहता है। बच्चे स्वयं दीपक लेकर आते हैं, रंगोली बनाते हैं और विद्यालय परिसर को प्रकाश से भर देते हैं। शिक्षकगण विद्यार्थियों को मिठाई और नमकीन का नाश्ता कराते हुए दीपावली का पर्व मनाते हैं।

आस्था और श्रद्धा जैन की सहभागिता

श्री जैन की सुपुत्रियाँ डॉ. आस्था जैन और श्रद्धा जैन कहती हैं। जब हम छोटे थे, पापा हमें विद्यालय की दीपावली में साथ ले जाते थे। अब यह परंपरा हमारे जीवन का हिस्सा बन गई है। बच्चों के साथ रंगोली बनाना, दीप जलाना और चॉकलेट बाँटना — सब हमें अपार आनंद देता है। भारतीय संस्कृति का जीवंत उदाहरण बासवा विद्यालय की यह दीपावली न केवल आनंद और उत्साह का प्रतीक है, बल्कि भारतीय संस्कृति, एकता और सामूहिकता का संदेश भी देती है। यहाँ ज्ञान का प्रकाश सचमुच दीपों की रोशनी के साथ मिलकर विद्यालय को जगमग कर देता है।